DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-2 ,UNIT-8,
PREVENTION OF ILLNESSES
LECTURE-74

बीमारियों का रोक थाम

PREVENTION OF ILLNESSES

समाज मनोविज्ञान में रोक –थाम एक महत्वपूर्ण संप्रत्यय है| रोक – थाम से तात्पर्य जनसंख्या में किसी रोग के उत्पन्न होने एवं उसे प्रचलित होने से रोकना होता है तथा यह कार्य जन – स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं द्वारा काफी किया जाता है |

जन स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं तथा समाज मनोवैज्ञानिकों ने जिसमें एडोल्फ मेयर ,लिंडमान तथा काप्लान का नाम मशहूर है ,ने रोक – थाम के निम्नांकित तीन प्रकार बतलाये है –

जिनमें पहला प्राथमिक निवारण या रोक – थाम है

(1)प्राथमिक निवारण या रोक – थाम (PRIMARY PREVENTION)

इनका वर्णन निम्नांकित है –

प्राथमिक रोक – थाम से तात्पर्य वैसे रोक – थाम से होता है जिसका उदेश्य वैसे जीव संख्या या जनसंख्या में किसी बीमारी को उत्पन्न होने से रोकना होता है जिसमें उस बीमारी के होने की संभावना अधिक तीव्र होती है |काप्लान (1964) के अनुसार प्राथमिक रोक – थाम से तात्पर्य दोषपूर्ण परिस्थितियों अर्थात वैसी परिस्थितियाँ जिसमें बीमारी उत्पन्न होने की संभावना हो उसमें पहले से ही नियंत्रण कर लिया जाता है | काप्लान ने अपने 'निरोधक मनोरोग विज्ञान' (PREVENTIVE PSYCHIATRY)में यह स्पष्ट किया है कि व्यक्ति के उपयुक्त विकास के लिए कुछ 'आपूर्ति' की जरूरत होती है |इन आपूर्तियों में कमी होने से स्वस्थ मनोवैज्ञानिक विकास अवरूध्द हो जाता है | ऐसी 'आपूर्ति' के तीन प्रकार बतलाये गये है –दैहिक आपूर्ति ,मनोसामाजिक आपूर्ति तथा सामजिक –सांस्कृतिक आपूर्ति |

दैहिक आपूर्ति में भोजन ,आवास ,सुरक्षा ,संवेदी उत्तेजना आदि सम्मिलित होते है |जिसे व्यक्ति दूसरों के साथ अंतः क्रिया से प्राप्त करता है और इसमें सांवोगिक एवं बौध्दिक उत्तेजन ,स्नेह एवं प्यार ,सामजिक अंतः क्रिया में संतुष्ट आदि सम्मिलित होते है |सामाजिक – सांस्कृतिक आपूर्ति में वैसे सामाजिक बल सम्मिलित होते है जिनसे व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा तथा दुसरो की उनसे होने वाली प्रत्याशा की झलक मिलती है |लाभान्वित सामाजिक समूह में व्यक्तियों को ऐसी आपूर्ति अधिक होती है |इन तीन तरह की आपूर्त्तियों में से किसी भी तरह का आपूर्त्ति बाधित होने से व्यक्ति में मानसिक विकृति की उत्पत्ति की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है| काप्लान के के अनुसार प्राथमिक रोक – थाम का दूसरा प्रमुख पहलू संकट निवारण है |उनका मत है कि संकट का स्वरूप चाहे आकस्मिक हो या विकासात्मक हो ,उससे व्यक्ति की समायोजनशीलता की क्षमता प्रभावित होती है और उससे मानसिक विकृति उत्पन्न होती है |अतः ऐसे संकटों का समाधान आवश्यक है | काप्लान का मत है कि आवश्यक उपयुक्त आपूर्त्ति बनाये रखने के लिए प्राथमिक रोक – थाम की उपायों को

सामाजिक क्रिया के स्तर पर तथा अंतवैर्यक्तिक क्रिया के स्तर पर किया जा सकता है |

TO BE CONTINUED